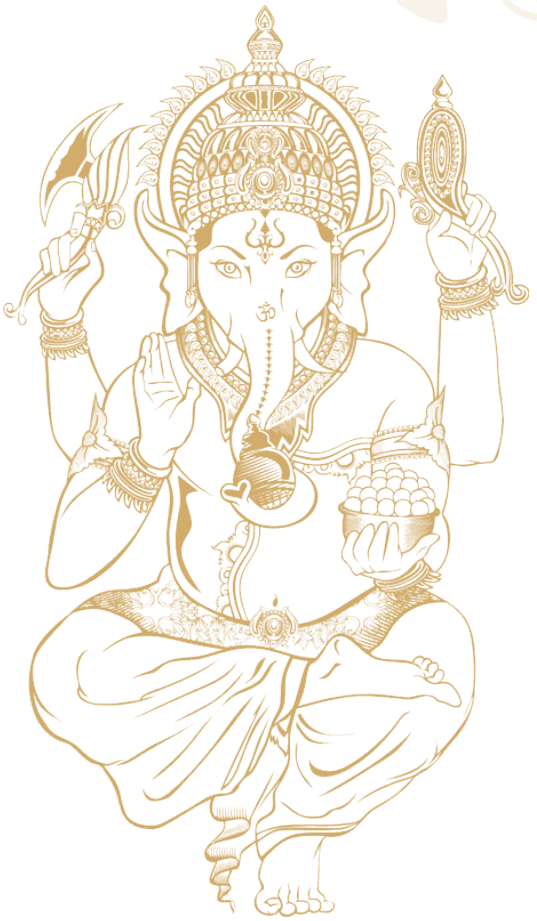

Ms.

Mr.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120964311

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/06/1996	जन्म तिथि	27/05/1996
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 18:05:00	जन्म समय	09:15:00 घंटे
घटी 31:42:34	जन्म समय(घटी)	09:34:49 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Rai Bareilly
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	26:16:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	81:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:04:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:58	सूर्योदय	05:13:48
19:21:52	सूर्यास्त	18:50:39
23:48:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 7मा 15दि	20:24:07	वृश्चि	लग्न	कर्क	06:50:17	सूर्य 4वर्ष 5मा 28दि
सूर्य	06:35:46	मिथु	सूर्य	वृष	12:19:59	राहु
06/02/2020	06:25:35	सिंह	चंद्र	कन्या	00:00:43	24/11/2017
05/02/2026	12:31:57	वृष	मंगल	मेष	24:17:21	24/11/2035
सूर्य 25/05/2020	16:32:01	वृष	बुध व	मेष	25:51:23	राहु 06/08/2020
चन्द्र 24/11/2020	20:35:00	धनु व	गुरु व	धनु	23:03:47	गुरु 31/12/2022
मंगल 01/04/2021	20:14:40	वृष व	शुक्र व	मिथु	03:32:04	शनि 06/11/2025
राहु 23/02/2022	12:57:56	मीन	शनि	मीन	11:21:30	बुध 25/05/2028
गुरु 13/12/2022	19:46:13	कन्या व	राहु	कन्या	22:06:46	केतु 12/06/2029
शनि 25/11/2023	19:46:13	मीन व	केतु	मीन	22:06:46	शुक्र 12/06/2032
बुध 30/09/2024	10:02:43	मक व	हर्ष व	मक	10:38:21	सूर्य 07/05/2033
केतु 05/02/2025	03:15:30	मक व	नेप व	मक	03:44:39	चन्द्र 06/11/2034
शुक्र 05/02/2026	07:09:12	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	07:48:27	मंगल 24/11/2035

लग्न-चलित

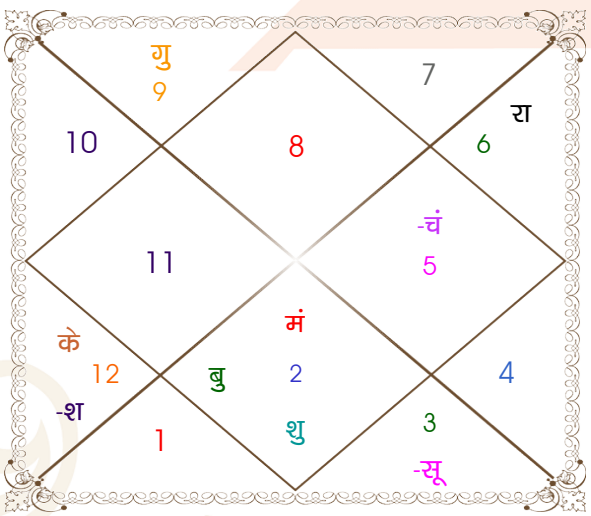

लग्न-चलित

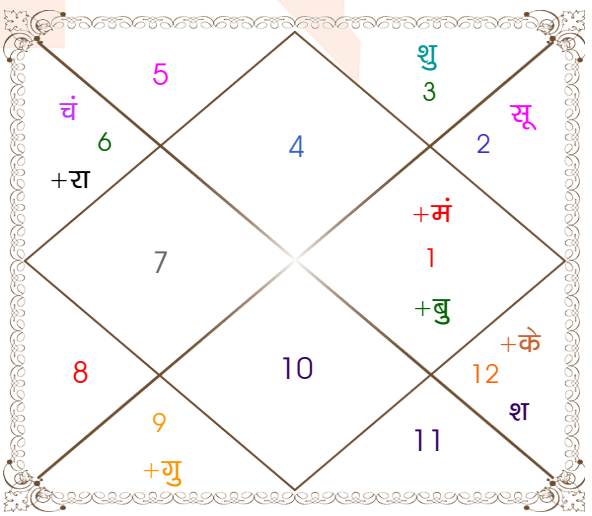

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Ms. का वर्ग मूषक है तथा Mr. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ms. और Mr. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ms. तथा Mr. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।